द्वारा
डॉ मुकेश कुमार
सहायक प्राध्यापक
सरकारी कॉलेज लड़कियां,लुधियाना

विभक्ति

- विभक्ति का अर्थ विभाजन होता है।
- एक शब्द के साथ इक्कीस प्रकार के प्रत्यय लगने पर वह इक्कीस रूपों में विभक्त हो जाता है।
- विभक्तियां प्रथमा,द्वितीया आदि सात प्रकार की होती हैं ।
- संस्कृत भाषा का अन्य भाषाओं में अनुवाद करने में कारक उपयोगी होते हैं।

कारक

कर्ता–ने–प्रथमा

कर्म–को–द्वितीया

करण–से,के द्वारा–तृतीया

संप्रदान–को,के लिए–चतुर्थी

अपादान–से,जुदाई–पंचमी

संबंध–का,के,की– षष्ठी

अधिकरण–में,पर–सप्तमी

संबोधन–हे,अरे–संबोधन

- जैसा कि सूची में बताया गया है कि संस्कृत भाषा में ने,को आदि की अभिव्यक्ति हेतु प्रथमा,द्वितीया आदि विभक्तियां और कर्ता आदि कारकों का प्रयोग होता है।
- कर्ता के लिए प्रथमा, कर्म के लिए द्वितीया विभक्ति का प्रयोग करना चाहिए। इसी तरह क्रमानुसार करणादि कारकों के लिए तृतीया आदि विभक्तियों का प्रयोग करना चाहिए
- संस्कृत में संबंध एवं संबोधन को छोड़कर कर्ता आदि अन्य छः कारक माने गये हैं।इसी तरह संबोधन को छोड़कर प्रथमा आदि सात विक्तियां मानी गयी हैं।
- संस्कृत भाषा में एकवचन,द्विवचन और बहुवचन तीन वचन होते हैं। इनका प्रयोग क्रमशः एक व्यक्ति अथवा वस्तु,दो व्यक्तियों तथा तीन या तीन से अधिक व्यक्तियों के लिए होता है।

शब्दों के प्रकार

- शब्द भी अनेक प्रकार के होते हैं जैसे अकारान्त, इकारान्त आदि

अकारान्त– ऐसे शब्द जिनके अन्त में अ हो उसे अकारान्त कहते हैं जैसे– राम

र् आ म् अ

- राम शब्द को तोड़ने पर यह ज्ञात होता है कि यह अकारान्त है।
- इसी तरह इकारान्तादि अन्य शब्दों को भी समझना चाहिए।

विभक्तियां

राम शब्द

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	रामः	रामौ	रामाः
द्वितीया	रामम्	रामौ	रामान्
तृतीया	रामेण	रामाभ्याम्	रामैः
चतुर्थी	रामाय	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
पंचमी	रामात्	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
षष्ठी	रामस्य	रामयोः	रामाणाम्
सप्तमी	रामे	रामयोः	रामेषु
संबोधन	हे राम!	हे रामौ!	हे रामाः!